भजन

तर्ज :– जी हम तुम चोरी से, बंधे इक डोरी से

जी हम तोहरी अंगना, हमें अब तो रहना
तोरे चरणन में हुजूर, अजी ये सम्बन्ध पार का
जी हम तोहरी अंगना....

1.) अर्श से आवन, है अपने पिया की
प्रीत है पावन, जी अपने पिया की
बरसायो री सखि, री सखि आनन्द भरपूर, जी हम

2.) जाके दिल आपकी बैठक होई
ताके दिल कोई भी संशय ना होई
सो कबहुं, ना भई प्रीतम से दूर–दूर, जी हम

3.) इसक के पूरण स्वरूप पिया जी
आनन्द के पूरण स्वरूप शामा जी
और सभी हम सखियां आपका जहूर, जी हम

4. बेहद की वाट दिखाई मारा वाला
मूल सगाई बताई मारा वाला
ब्रह्मसृष्टि को मिला निजधाम का ही नूर, जी हम